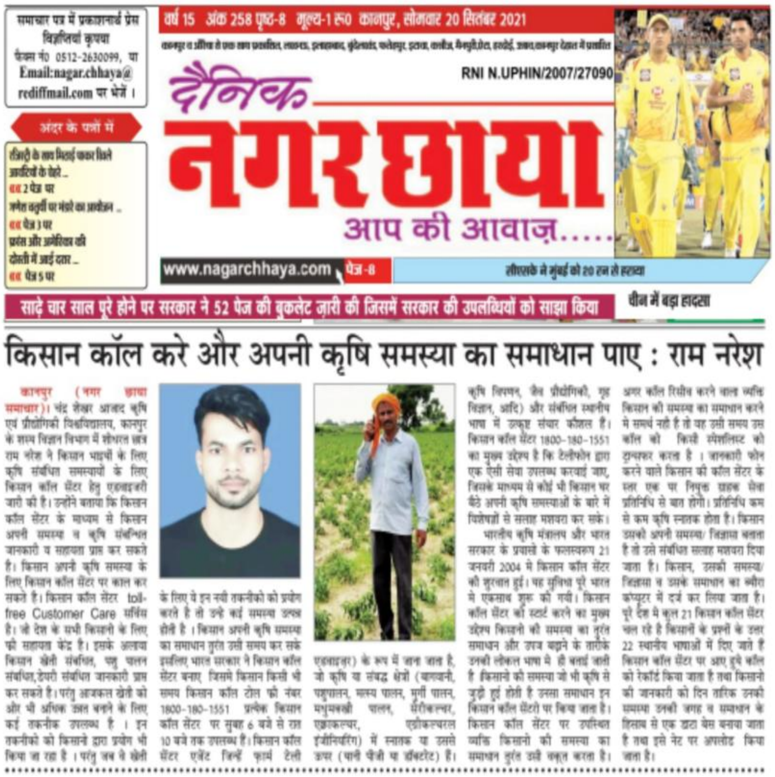

समाचार पत्र में प्रकाशनार्थ प्रेस विज्ञप्तियां कृपया फैक्स नं0 0512-2630099, या Email:nagar.chhaya@rediffmail.com पर भेजें ।

वर्ष 15 अंक 258 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, सोमवार 20 सितंबर 2021

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया
आप की आवाज़.....

www.nagarchhaya.com पेज-8

अंदर के पन्नों में

- तिजोरी के साथ मिठाई चखकर खिले आढ़तियों के चेहरे... पेज 2 पर
- अनंत चतुर्दशी पर भंडारे का आयोजन ... पेज 3 पर
- फ्रांस और अमेरिका की दोस्ती में आई दरार... पेज 5 पर

सीएसके ने मुंबई को 20 रन से हराया

साढ़े चार साल पूरे होने पर सरकार ने 52 पेज की बुकलेट ज़ारी की जिसमें सरकार की उपलब्धियों को साझा किया

चीन में बड़ा हादसा

किसान कॉल करे और अपनी कृषि समस्या का समाधान पाए : राम नरेश

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के शस्य विज्ञान विभाग में शोधरत छात्र राम नरेश ने किसान भाइयों के लिए कृषि संबंधित समस्यायों के लिए किसान कॉल सेंटर हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि किसान कॉल सेंटर के माध्यम से किसान अपनी समस्या व कृषि संबन्धित जानकारी व सहायता प्राप्त कर सकते है। किसान अपनी कृषि समस्या के लिए किसान कॉल सेंटर पर काल कर सकते है। किसान कॉल सेंटर toll-free Customer Care सर्विस है। जो देश के सभी किसानो के लिए फ्री सहायता केंद्र है। इसके अलावा किसान खेती संबंधित, पशु पालन संबंधित,डेयरी संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते है। परंतु आजकल खेती को और भी अधिक उन्नत बनाने के लिए कई तकनीक उपलब्ध है । इन तकनीकों को किसानो द्वारा प्रयोग भी किया जा रहा है । परंतु जब वे खेती के लिए ये इन नयी तकनीकों को प्रयोग करते है तो उन्हें कई समस्या उत्पन्न होती है । किसान अपनी कृषि समस्या का समाधान तुरंत उसी समय कर सके इसलिए भारत सरकार ने किसान कॉल सेंटर बनाए जिसमे किसान किसी भी समय किसान कॉल टोल फ्री नंबर 1800-180-1551 प्रत्येक किसान कॉल सेंटर पर सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक उपलब्ध है। किसान कॉल सेंटर एजेंट जिन्हें फार्म टेली एडवाइज़र) के रूप में जाना जाता है, जो कृषि या संबद्ध क्षेत्रों (बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन, सेरीकल्चर, एक्वाकल्चर, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग) में स्नातक या उससे ऊपर (यानी पीजी या डॉक्टरेट) हैं। कृषि विपणन, जैव प्रौद्योगिकी, गृह विज्ञान, आदि) और संबंधित स्थानीय भाषा में उत्कृष्ट संचार कौशल है। किसान कॉल सेंटर 1800-180-1551 का मुख्य उद्देश्य है कि टेलीफोन द्वारा एक ऐसी सेवा उपलब्ध करवाई जाए, जिसके माध्यम से कोई भी किसान घर बैठे अपनी कृषि समस्याओं के बारे मे विशेषज्ञों से सलाह मशवरा कर सके।

भारतीय कृषि मंत्रालय और भारत सरकार के प्रयासो के फलस्वरूप 21 जनवरी 2004 मे किसान कॉल सेंटर की शुरुआत हुई। यह सुविधा पूरे भारत मे एकसाथ शुरू की गयी। किसान कॉल सेंटर को स्टार्ट करने का मुख्य उद्देश्य किसानो की समस्या का तुरंत समाधान और उपज बढ़ाने के तारीके उनकी लोकल भाषा मे ही बताई जाती है किसानो की समस्या जो भी कृषि से जुड़ी हुई होती है उनसा समाधान इन किसान कॉल सेंटरो पर किया जाता है। किसान कॉल सेंटर पर उपस्थित व्यक्ति किसानो की समस्या का समाधान तुरंत उसी वक्त करता है। अगर कॉल रिसीव करने वाला व्यक्ति किसान की समस्या का समाधान करने मे समर्थ नही है तो वह उसी समय उस कॉल को किसी स्पेशलिस्ट को ट्रान्सफर करता है । जानकारी फोन करने वाले किसान की कॉल सेंटर के स्तर एक पर नियुक्त ग्राहक सेवा प्रतिनिधि से बात होगी। प्रतिनिधि कम से कम कृषि स्नातक होता है। किसान उसको अपनी समस्या/ जिज्ञासा बताता है तो उसे संबंधित सलाह मशवरा दिया जाता है। किसान, उसकी समस्या/ जिज्ञासा व उसके समाधान का ब्यौरा कंप्यूटर में दर्ज कर लिया जाता है। पूरे देश मे कुल 21 किसान कॉल सेंटर चल रहे है किसानों के प्रश्नों के उत्तर 22 स्थानीय भाषाओं में दिए जाते है किसान कॉल सेंटर पर आए हुये कॉल को रेकॉर्ड किया जाता है तथा किसानो की जानकारी को दिन तारिक उनकी समस्या उनकी जगह व समाधान के हिसाब से एक डाटा बेस बनाया जाता है तथा इसे नेट पर अपलोड किया जाता है।

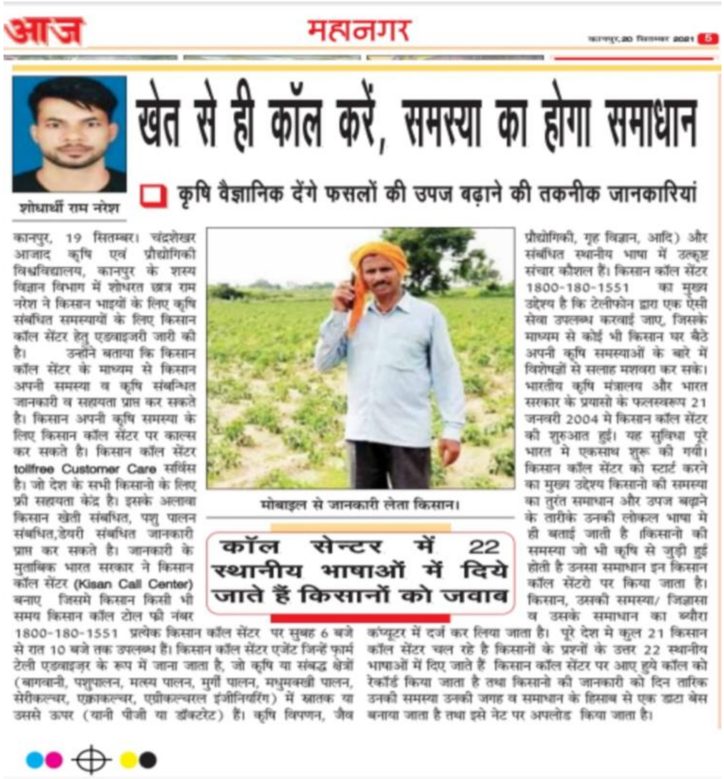

खेत से ही कॉल करें, समस्या का होगा समाधान

शोधार्थी राम नरेश

कृषि वैज्ञानिक देंगे फसलों की उपज बढ़ाने की तकनीक जानकारियां

कानपुर, 19 सितम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के शस्य विज्ञान विभाग में शोधरत छात्र राम नरेश ने किसान भाइयों के लिए कृषि संबंधित समस्यायों के लिए किसान कॉल सेंटर हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि किसान कॉल सेंटर के माध्यम से किसान अपनी समस्या व कृषि संबन्धित जानकारी व सहायता प्राप्त कर सकते है। किसान अपनी कृषि समस्या के लिए किसान कॉल सेंटर पर काल्स कर सकते है। किसान कॉल सेंटर tollfree Customer Care सर्विस है। जो देश के सभी किसानो के लिए फ्री सहायता केंद्र है। इसके अलावा किसान खेती संबंधित, पशु पालन संबंधित,डेयरी संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते है। जानकारी के मुताबिक भारत सरकार ने किसान कॉल सेंटर (Kisan Call Center) बनाए जिसमे किसान किसी भी समय किसान कॉल टोल फ्री नंबर 1800-180-1551 प्रत्येक किसान कॉल सेंटर पर सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक उपलब्ध है। किसान कॉल सेंटर एजेंट जिन्हें फार्म टेली एडवाइज़र के रूप में जाना जाता है, जो कृषि या संबद्ध क्षेत्रों (बागवानी, पशुपालन, मत्स्य पालन, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन, सेरीकल्चर, एक्वाकल्चर, एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग) में स्नातक या उससे ऊपर (यानी पीजी या डॉक्टरेट) हैं। कृषि विपणन, जैव प्रौद्योगिकी, गृह विज्ञान, आदि) और संबंधित स्थानीय भाषा में उत्कृष्ट संचार कौशल है। किसान कॉल सेंटर 1800-180-1551 का मुख्य उद्देश्य है कि टेलीफोन द्वारा एक ऐसी सेवा उपलब्ध करवाई जाए, जिसके माध्यम से कोई भी किसान घर बैठे अपनी कृषि समस्याओं के बारे में विशेषज्ञों से सलाह मशवरा कर सके। भारतीय कृषि मंत्रालय और भारत सरकार के प्रयासो के फलस्वरूप 21 जनवरी 2004 मे किसान कॉल सेंटर की शुरुआत हुई। यह सुविधा पूरे भारत मे एकसाथ शुरू की गयी। किसान कॉल सेंटर को स्टार्ट करने का मुख्य उद्देश्य किसानो की समस्या का तुरंत समाधान और उपज बढ़ाने के तारीके उनकी लोकल भाषा मे ही बताई जाती है ।किसानो की समस्या जो भी कृषि से जुड़ी हुई होती है उनसा समाधान इन किसान कॉल सेंटरो पर किया जाता है। किसान, उसकी समस्या/ जिज्ञासा व उसके समाधान का ब्यौरा कंप्यूटर में दर्ज कर लिया जाता है। पूरे देश मे कुल 21 किसान कॉल सेंटर चल रहे है किसानों के प्रश्नों के उत्तर 22 स्थानीय भाषाओं में दिए जाते हैं किसान कॉल सेंटर पर आए हुये कॉल को रेकॉर्ड किया जाता है तथा किसानो की जानकारी को दिन तारिक उनकी समस्या उनकी जगह व समाधान के हिसाब से एक डाटा बेस बनाया जाता है तथा इसे नेट पर अपलोड किया जाता है।

मोबाइल से जानकारी लेता किसान।

कॉल सेन्टर में 22 स्थानीय भाषाओं में दिये जाते हैं किसानों को जवाब

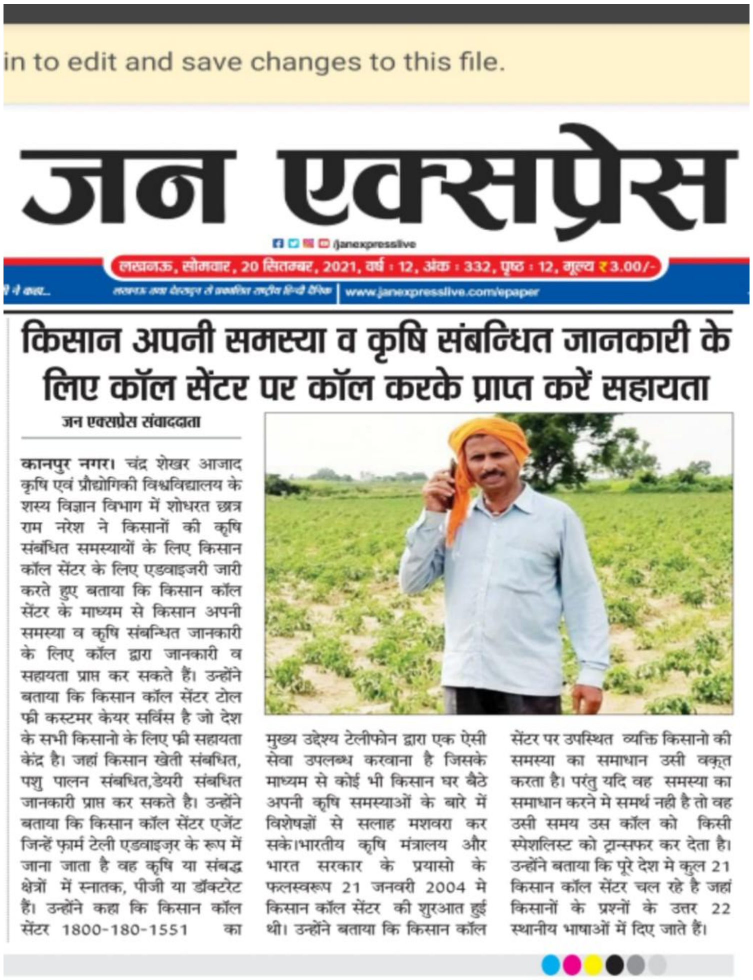

in to edit and save changes to this file.

जन एक्सप्रेस

/janexpresslive

लखनऊ, सोमवार, 20 सितम्बर, 2021, वर्ष : 12, अंक : 332, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

लखनऊ तथा देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | www.janexpresslive.com/epaper

किसान अपनी समस्या व कृषि संबन्धित जानकारी के लिए कॉल सेंटर पर कॉल करके प्राप्त करें सहायता

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के शस्य विज्ञान विभाग में शोधरत छात्र राम नरेश ने किसानों की कृषि संबंधित समस्यायों के लिए किसान कॉल सेंटर के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि किसान कॉल सेंटर के माध्यम से किसान अपनी समस्या व कृषि संबन्धित जानकारी के लिए कॉल द्वारा जानकारी व सहायता प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि किसान कॉल सेंटर टोल फ्री कस्टमर केयर सर्विस है जो देश के सभी किसानो के लिए फ्री सहायता केंद्र है। जहां किसान खेती संबधित, पशु पालन संबधित,डेयरी संबधित जानकारी प्राप्त कर सकते है। उन्होंने बताया कि किसान कॉल सेंटर एजेंट जिन्हें फ़ार्म टेली एडवाइज़र के रूप में जाना जाता है वह कृषि या संबद्ध क्षेत्रों में स्नातक, पीजी या डॉक्टरेट हैं। उन्होंने कहा कि किसान कॉल सेंटर 1800-180-1551 का मुख्य उद्देश्य टेलीफोन द्वारा एक ऐसी सेवा उपलब्ध करवाना है जिसके माध्यम से कोई भी किसान घर बैठे अपनी कृषि समस्याओं के बारे में विशेषज्ञों से सलाह मशवरा कर सके।भारतीय कृषि मंत्रालय और भारत सरकार के प्रयासो के फलस्वरूप 21 जनवरी 2004 मे किसान कॉल सेंटर की शुरआत हुई थी। उन्होंने बताया कि किसान कॉल सेंटर पर उपस्थित व्यक्ति किसानो की समस्या का समाधान उसी वक्त करता है। परंतु यदि वह समस्या का समाधान करने मे समर्थ नही है तो वह उसी समय उस कॉल को किसी स्पेशलिस्ट को ट्रान्सफर कर देता है। उन्होंने बताया कि पूरे देश मे कुल 21 किसान कॉल सेंटर चल रहे है जहां किसानों के प्रश्नों के उत्तर 22 स्थानीय भाषाओं में दिए जाते हैं।

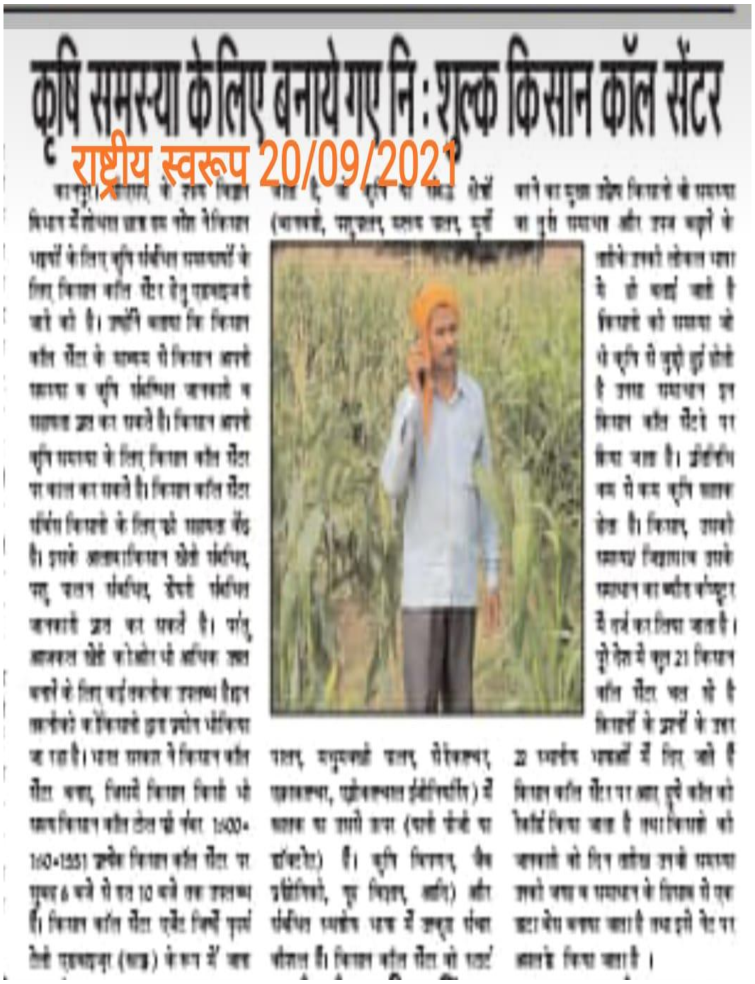

कृषि समस्या के लिए बनाये गए नि:शुल्क किसान कॉल सेंटर

राष्ट्रीय स्वरूप 20/09/2021